2016

HINDI

(Major)

Paper : 6.4

(Prayojanmulak Hindi Evam Anuvad)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×7=7

(क) पत्रकारिता का एक पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(ख) राजभाषा का प्रयोग कहाँ होता है?

(ग) अनुच्छेद 343(iii) (भारतीय संविधान के) के द्वारा संसद को क्या अधिकार मिला है?

(घ) पारिभाषिक शब्दावली का क्या तात्पर्य है?

(ङ) 'अनुवाद' शब्द संस्कृत के किस धातु से निकला है?

(च) अनुवाद मूलतः कितने प्रकार के होते हैं?

(छ) सामान्य हिन्दी किसे कहा जाता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2×4=8

(क) साहित्यिक हिन्दी और प्रयोजनमूलक हिन्दी में निहित कोई दो प्रमुख अंतर लिखिए।

(ख) विज्ञापन की भाषा की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) हिन्दी (भाषा) की सांविधानिक स्थिति को दर्शाने वाले अनुच्छेदों की संख्याएँ क्या-क्या हैं?

(घ) अनुवाद की किन्हीं दो आवश्यकताओं का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) परिपत्र **अथवा** अधिसूचना के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए एक रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

(ख) टिप्पण कौन लिखता है? अच्छे टिप्पण लिखते समय किन बातों पर ध्यान देना जरूरी है?

अथवा

प्रतिवेदन का क्या तात्पर्य है? किसी एक विषय पर एक प्रतिवेदन की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

(ग) हिन्दी पारिभाषिक शब्द लिखिए :

Credit ; Notice ; Interest rate ; Form ; Budget ; Census ; Expert ; Finance ; First aid ; Judge.

(घ) निम्नलिखित गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक देकर संक्षेपण कीजिए :

कुछ लोग सोचते हैं कि खेलने-कूदने से समय नष्ट होता है; स्वास्थ्य-रक्षा के लिए व्यायाम कर लेना ही काफी है। पर खेल-कूद से स्वास्थ्य तो बनता ही है, साथ-साथ मनुष्य कुछ ऐसे गुण भी सीखता है जिनका जीवन में विशेष महत्त्व है। सहयोग से काम करना, विजय मिलने पर अभिमान न करना, हार जाने पर साहस न छोड़ना, विशेष ध्येय के लिए नियमपूर्वक कार्य करना आदि गुण खेलों के द्वारा अनायास सीखा जा सकता है। खेल के मैदान में सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं बनता; वरन् मनुष्य भी बनता है। खिलाड़ी अनायास ही वे बातें सीख जाता है जो उसे आगे चलकर नागरिक जीवन की समस्या को सुलझाने में सहायता करती है।

(ङ) निम्नलिखित गद्यांश का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :

Singh took life in a different way. Life is short. The aim of life can never be only preparing a list of works to be done and devoting one's whole life to it. It is more important for a person to indulge in merrymaking and pleasantry and enjoy every moment of life. Efforts must be made to make the world more beautiful. It must be interwined with a mission. At the same time, a person should pick up the art of making life more sublime.

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) अनुवाद को परिभाषित करते हुए तकनीकी अनुवाद के क्षेत्र में आने वाली कठिनाइयों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रयोजनमूलक हिन्दी को परिभाषित करते हुए उसके स्वरूपों पर विचार कीजिए।

(ख) प्रेस-विज्ञप्ति क्या है? उसके स्वरूप पर प्रकाश डालकर एक प्रेस-विज्ञप्ति की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

दूरदर्शन **अथवा** रेडियो द्वारा प्रसारित हिन्दी के स्वरूपों पर प्रकाश डालिए।

(ग) राजभाषा अधिनियम, 1963 की मूल बातों को रेखांकित कीजिए।

अथवा

भारतीन संविधान के अनुच्छेद 351 के लक्ष्य-उद्देश्य को ध्यान में रखकर आठवीं अनुसूची की भाषाओं के योगदान को रेखांकित कीजिए।

★ ★ ★